SOCIAL STUDIES

Class 10th

(ECONOMICS)

Chapter 3: मुद्रा एवं साख

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएँ खड़ी कर सकता है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जोखिम वाली परिस्थिति में ऋण कर्जदार के लिये और समस्याएँ खड़ी कर सकता है।

1. जहां अधिक जोखिम होता है वहां ऋण लेने से वित्तीय हालात और अधिक ख़राब हो सकते हैं।
2. जैसे कि एक किसान अच्छी फसल पैदा करने के लिए उत्तम खाद व बीज, कीटनाशक दवा आदि खरीदता है।
3. इसके लिए वह ऋण लेता है।
4. परन्तु मौसम की वजह से अगर फसल खराब हो जाती है तो उसके लिए ऋण चुकाना मुश्किल हो जाएगा।
5. इस तरह फसल खराब होने का जोखिम उसके लिए समस्या खड़ी कर सकता है।

प्रश्न 2. मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह सुलझाती है? अपनी ओर से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: वस्तु विनिमय प्रणाली में आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की जरूरत होती है। जैसे कि कोई व्यक्ति मिट्टी के बर्तन बेचकर कपड़े खरीदना चाहता है तो ऐसा कपड़ा बेचने वाला ढूंढना होगा जिसको मिट्टी के बर्तनों की आवश्यकता है। मुद्रा के चलन से यह समस्या समाप्त हो जाती है। क्योंकि वह व्यक्ति मिट्टी के बर्तन बेचकर मुद्रा प्राप्त करेगा और मुद्रा से वस्त्र खरीद लेगा।

प्रश्न 3. अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करते हैं?

उत्तर:अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच बैंक निम्नलिखित तरीके से मध्यस्थता करते हैं।

1. बैंक ऐसे लोगों की मुद्रा को जमा कर लेता है जिनके पास जरुरत से ज्यादा मुद्रा होती है।
2. इसके लिए बैंक जमाकर्ता को ब्याज देता है।
3. बैंक उसी जमापूंजी को जरूरतमंद लोगों को लोन के रूप में देता है।
4. इस लोन के लिए बैंक ब्याज प्राप्त करता है।
5. इस प्रकार बैंक दोनों तरह के लोगों के बीच मध्यस्थता करते हैं।

प्रश्न 4: 10 रुपये के नोट को देखिए। इसके ऊपर क्या लिखा है? क्या आप इस कथन की व्याख्या कर सकते हैं?

उत्तर: दस रुपये के नोट के ऊपर लिखा है "मैं धारक को दस रुपये अदा करने का वचन देता हूँ।" इसके नीचे भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते है। इस कथन का अर्थ है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस नोट के बदले दस रुपए देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस नोट का मूल्य दस रुपए निर्धारित किया गया है जो सबके लिए मान्य है।

प्रश्न 5. हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की क्यों ज़रूरत है?

उत्तर: भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की बहुत अधिक ज़रूरत है।

1. अनौपचारिक स्त्रोतों से ऋण पर अधिक ब्याज देना पड़ता है।
2. इससे ऋण का बोझ बढ़ सकता है।
3. औपचारिक स्त्रोत साहूकारों के शोषण से बचाते हैं।
4. औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने से सामाजिक और आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मदद मिलेगी।
5. देश के विकास के लिए ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाना जरूरी है।

प्रश्न 6. गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूहों के संगठनों के पीछे मूल विचार क्या हैं? अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

उत्तर: स्वयं सहायता समूह लोगों का एक ऐसा समुह होता है जिसके सदस्य छोटी छोटी बचत करके पैसा इकट्ठा करते हैं। और समुह के किसी सदस्य को जरूरत पड़ने पर उसे कर्ज दे देते हैं। इसके बदले में समुह सदस्य से बहुत कम ब्याज लेते हैं।

1. ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के समूह बहुत उपयोगी हो साबित होते हैं
2. क्योंकि ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक मौजूद नहीं हैं।
3. ये स्वयं सहायता समूह लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हैं
4. ऐसे स्वयं सहायता समूह साहूकारों के शोषण से बचाते हैं।
5. लोगों के पास ऋणाधार की कमी होती है उनको भी ऋण प्रदान करते हैं।

प्रश्न 7. क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते?

उत्तर: निम्नलिखित कारणों से बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते।

1. बैंक किसी भी जोखिम वाले काम के लिये ऋण नहीं देते हैं।
2. जो लोग ऋण की शर्तें पूरी नहीं कर पाते, बैंक उन्हें कर्ज नहीं देते।
3. जिन लोगों का ऋण भूगतान का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है बैंक उनको कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते।

प्रश्न 8. भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नज़र रखता है? यह ज़रूरी क्यों है?

उत्तर: भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर निम्न तरीके से नज़र रखता है-

1. रिजर्व बैंक ध्यान रखता है कि सभी बैंक 15% न्यूनतम राशि अपने पास रखता है या नहीं।
2. रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की लोन देने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है ।
3. रिजर्व बैंक सभी बैंकों के ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करता है।
4. रिजर्व बैंक सभी बैंकों में होने वाले किसी भी भ्रष्टाचार पर नजर रखता है ताकि ग्राहकों के पैसे सुरक्षित रहें।
5. रिजर्व बैंक सभी बैंकों से समय-समय पर महत्वपूर्ण जानकारियां मांगता रहता है।
6. रिजर्व बैंक सभी बैंकों पर अनियमितता के कारण जुर्माना लगा सकता है

प्रश्न 9. विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।

उत्तर: इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऋण विकास में सकारात्मक भूमिका निभाता है जो निम्नलिखित हैं-

1. ऋण वस्तुओं की मांग में वृद्धि करता है।
2. ऋण किसानों को उचित समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराता है। जिससे उनका उत्पादन बढ़ता है।
3. ऋण उद्योगों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
4. ऋण बेहतर शिक्षा प्राप्त करने में मदद करता है।
5. ऋण स्वरोजगार को बढ़ावा देने में योगदान देता है।

प्रश्न 10. मानव को एक छोटा व्यवसाय करने के लिए ऋण की जरूरत है। मानव किस आधार पर यह निश्चित करेगा कि उसे यह ऋण बैंक से लेना चाहिए या साहूकार से? चर्चा कीजिए।

उत्तर: मानव को एक छोटा व्यवसाय शुरू करना है। मानव निश्चित रूप से ऋण बैंकों से लेना चाहेगा क्योंकि बैंकों से उसे निम्न ब्याज दर पर लोन उपलब्ध हो जाएगा। साहूकार से लिया गया ऋण उसके लिए बहुत महंगा पड़ेगा।

प्रश्न 11. भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।
(क) बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से क्यों हिचकिचा सकते हैं?
(ख) वे दूसरे स्रोत कौन हैं, जिनसे छोटे किसान कर्ज ले सकते हैं?
(ग) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि किस तरह ऋण की शर्तें छोटे किसानों के प्रतिकूल हो सकती हैं?
(घ) सुझाव दीजिए कि किस तरह छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है?

उत्तर
(क) बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से इसलिए हिचकिचाते हैं क्योंकि छोटे किसानों से ऋण के वापस आने की संभावना उसकी फसल पर निर्भर होती है।अगर फसल खराब हो जाती है तो छोटे किसानों के लिए ऋण का भूगतान करना असम्भव हो जाता है।
(ख) ये छोटे किसान आमतौर से साहूकारों से, व्यापारियों से, जमींदारों से कर्ज लेते हैं किंतु ये ब्याज की दरें अधिक रखते हैं।
(ग) बैंक ऋण देते समय जमीन को गिरवी रखते हैं। ऋण का भुगतान न कर पाने पर छोटे किसानों को अपनी जमीन को बेचना पड़ता है । इस प्रकार की शर्तें किसानों के लिए प्रतिकूल हो सकती हैं।
(घ) इसके लिए सहकारी समितियों की स्थापना करके छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है। इन सहकारी समितियों की ऋण देने की शर्तें थोड़ी नरम और लचीली होती है ये छोटे किसानों को कृषि उपकरण खरीदने, मछली पकड़ने, घर बनाने और तमाम अन्य किस्म के खर्चे के लिए ऋण उपलब्ध कराती है।

प्रश्न 12. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें -
(क)..... . परिवारों की ऋण की अधिकांश जरूरतें अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती हैं ।
(ख)..... ऋण की लागत ऋण का बोझ बढ़ाती है।
(ग) .....केंद्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है।
(घ) बैंक..... पर देने वाले ब्याज से ऋण पर अधिक ब्याज लेते हैं।
(ड़)..... संपत्ति है जिसका मालिक कर्जदार होता है जिसे वह ऋण लेने के लिए गारंटी के रूप में इस्तेमाल करता है, जब तक ऋण चुकता नहीं हो जाता।

उत्तर: (क) ग्रामीण (ख) ऋणजाल (ग) भारतीय रिज़र्व बैंक (घ) जमा राशि (ङ) ऋणाधार |

प्रश्न 13. सही उत्तर का चयन करें

(क) स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं-
• बैंक द्वारा • सदस्यों द्वारा • गैर सरकारी संस्था द्वारा

(ख) ऋण के औपचारिक स्रोतों में शामिल नहीं है-
• बैंक • सहकारी समिति • नियोक्ता

उत्तर (क) सदस्यों द्वारा (ख) नियोक्ता।